कक्षा–12 | विषय–हिन्दी

मॉडल प्रश्नपत्र – Set 5

समय : 3 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 100**

खण्ड – क

प्रश्न 1. बहुविकल्पीय (5×1=5)

(क) 'छायावाद' में प्रकृति चित्रण का उद्देश्य मुख्यतः था—

(i) प्राकृतिक सौंदर्य वर्णन

(ii) आंतरिक मनोभावों की अभिव्यक्ति

(iii) राष्ट्रप्रेम

(iv) ऐतिहासिक चित्रण

(ख) 'गोदान' में होरी का चरित्र अंततः किस विचार को पुष्ट करता है?

(i) विद्रोह

(ii) त्याग और सामाजिक विडम्बना

(iii) स्वार्थ

(iv) धार्मिक कट्टरता

(ग) 'नई कविता' में छन्दमुक्त शैली अपनाने का कारण—

(i) अलंकार त्याग

(ii) भावों की स्वाभाविक अभिव्यक्ति

(iii) भाषा कठिन बनाना

(iv) परंपरा विरोध मात्र

(घ) 'रश्मिरथी' में कर्ण का सबसे बड़ा संघर्ष है—

(i) अर्जुन से युद्ध

(ii) दुर्योधन से मित्रता

(iii) आत्मसम्मान और सामाजिक पहचान

(iv) माता कुंती से मिलन

(ङ) 'प्रगतिवाद' का प्रमुख लक्ष्य—

(i) रहस्यवाद

(ii) समाज परिवर्तन

(iii) अध्यात्मवाद

(iv) प्रकृति चित्रण

प्रश्न 2. साहित्य इतिहास (गहन समझ आधारित) (5×1=5)

(क) 'द्विवेदी युग' की प्रमुख विशेषता थी—

(i) भाषा परिष्कार

(ii) श्रृंगार

(iii) अलंकार प्रधानता

(iv) रहस्यवाद

(ख) 'एक भारतीय आत्मा' की उपाधि—

(i) माखनलाल चतुर्वेदी

(ii) दिनकर

(iii) बच्चन

(iv) निराला

(ग) 'अज्ञेय' किस विचारधारा के प्रवर्तक माने जाते हैं?

(i) प्रयोगवाद

(ii) भक्तिकाल

(iii) रीतिकाल

(iv) प्रगतिवाद

(घ) 'धनिया' किस कृति की प्रमुख पात्र है?

(i) गोदान

(ii) कामायनी

(iii) लाटी

(iv) सत्य की जीत

(ङ) छायावाद में 'व्यक्तिवाद' का अर्थ है—

(i) आत्म-अनुभूति की प्रधानता

(ii) सामाजिक सुधार

(iii) राष्ट्रवाद

(iv) वीरता

प्रश्न 3. गद्यांश (विश्लेषण + मूल्य आधारित) (5×2=10)

“जीवन में सफलता उन्हीं को मिलती है जो असफलताओं से सीख लेते हैं। परिश्रम, धैर्य और आत्मविश्वास ही व्यक्ति को ऊँचाई प्रदान करते हैं।”

(i) सन्दर्भ लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) सफलता के तीन आधार स्पष्ट कीजिए।
(iv) असफलता का महत्व क्या है?
(v) ‘धैर्य’ और ‘आत्मविश्वास’ का अर्थ लिखिए।

● प्रश्न 4. पद्यांश (5×2=10)

“न हार में न जीत में,
किंचित नहीं भयभीत मैं।
संघर्ष पथ का पथिक हूँ,
यही मेरा संगीत है।”

(i) कवि एवं शीर्षक लिखिए।
(ii) प्रमुख रस की पहचान कीजिए।
(iii) ‘संघर्ष पथ का पथिक’ का भाव स्पष्ट कीजिए।
(iv) काव्यांश का केंद्रीय संदेश लिखिए।
(v) प्रयुक्त अलंकार बताइए।

● प्रश्न 5. जीवन परिचय (विशेषता + योगदान) (5+5=10)

(क) प्रेमचन्द के साहित्य में यथार्थवाद का विश्लेषण कीजिए। (80 शब्द)
अथवा
हरिशंकर परसाई के व्यंग्य साहित्य की विशेषताएँ लिखिए।

(ख) महादेवी वर्मा की काव्य विशेषताएँ लिखिए। (80 शब्द)
अथवा
अज्ञेय की काव्यधारा का विश्लेषण कीजिए।

● प्रश्न 6. कहानी समीक्षा (5 अंक)

‘लाटी’ कहानी में सामाजिक संवेदना और मानवीय संबंधों का विश्लेषण कीजिए। (80 शब्द)

प्रश्न 7. खण्डकाव्य (5 अंक)

(क) 'रश्मिरथी' में कर्ण को "त्रासदी का नायक" क्यों कहा गया है?

अथवा

(ख) 'सत्य की जीत' में आदर्शवाद और नैतिकता का चित्रण स्पष्ट कीजिए।

खण्ड – ख

प्रश्न 8. संस्कृत गद्यांश का शुद्ध भावानुवाद (7 अंक)

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः।
यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफलाः क्रियाः॥

प्रश्न 9. संस्कृत में उत्तर दीजिए (4 अंक)

(क) माता-पितरौ बालकं किं शिक्षयतः?

(ख) शिक्षा किमर्थं आवश्यकाऽस्ति?

प्रश्न 10. काव्यशास्त्र (2+2+2=6)

(क) वीर रस की परिभाषा उदाहरण सहित।

(ख) उपमा और रूपक में अंतर।

(ग) दोहा छन्द की संरचना।

प्रश्न 11. निबंध (250 शब्द) (9 अंक)

(i) शिक्षा और नैतिक मूल्य

(ii) सोशल मीडिया : वरदान या अभिशाप

(iii) पर्यावरण संकट और युवा भूमिका

प्रश्न 12 (2 अंक)

(क) 'सुरेश' का संधि-विच्छेद।

(ख) 'दशानन' का समास।

प्रश्न 13 (4 अंक)

जन्मदिन पर धन्यवाद-पत्र लिखिए।

प्रश्न 14 (2 अंक)

(क) 'बालिका' में प्रत्यय।

(ख) 'ग्रामे वसति' में विभक्ति।